संपादकीय

इस रात की सुबह कब?

श्रीलंका के लोगों ने राजपक्षे सरकार सरकार के खिलाफ बगावत की और गोटाबया राजपक्षे को राष्ट्रपति पद छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया। लेकिन उसके बाद आई सरकार भी देश को आर्थिक संकट से बाहर निकालने का रास्ता नहीं तलाश पाई है।

श्रीलंका में लोगों को आर्थिक मुसीबतों से राहत नहीं मिल रही है। बल्कि समस्याएं बढ़ती ही जा रही हैं। इससे बुरा हाल और क्या होगा कि लोग भोजन जुटाने के लिए अपनी जायदाद बेचने लगें? वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (डब्लूएफपी) की एक ताजा रिपोर्ट ने ऐसी दर्दनाक कहानियों को दुनिया के सामने रख है। सार यह है कि श्रीलंका में सबको भरपेट नसीब नहीं हो पा रहा है। महीनों से जारी मुद्रा संकट ने श्रीलंका की आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से को गरीबी में धकेल दिया है। नतीजतन, 30 फीसदी परिवार खाद्य असुरक्षा का शिकार हो गए हैं। बाकी आबादी की हालत भी कोई बहुत अच्छी नहीं है। डब्लूएफपी ने अपनी रिपोर्ट इसी वर्ष अक्टूबर में देश भर में किए व्यापक सर्वेक्षण के आधार पर तैयार की है। रिपोर्ट में कहा गया है- 'दस में सात से ज्यादा परिवार खाना बचाने के लिए कोई ना कोई तरीका अपना रहे हैं। मसलन, वे अपनी पसंद का खाना कम खा रहे हैं।' सर्वे के दौरान सामने आया कि 80 फीसदी परिवार अपनी कोई ना कोई संपत्ति बेचने को मजबूर हो रहे हैं।

हकीकत यही है कि आज भी श्रीलंका की कृषि भी संकटग्रस्त है। इसकी शुरुआत पूर्व राजपक्षे सरकार के रासायनिक खादों के आयात पर अचान रोक लगा देने से हुई थी। कम फसल होने का असर पशुपालन और मुर्गीपालन पर भी पड़ा। इन सारे पहलुओं ने श्रीलंका की आबादी के एक बहुत बड़े हिस्से के सामने पेट भरने की समस्या खड़ी कर रखी है। बेशक इस चिंताजनक स्थिति के लिए पिछली सरकार की नीतियां दोषी हैं। पूर्व राष्ट्रपति गोटबया राजपक्षे के शासनकाल में श्रीलंका के सेंट्रल बैंक ने दो वर्ष तक मुद्रा की अंधाधुंध छपाई की। नतीजा हुआ कि इस वर्ष अमेरिकी डॉलर की तुलना में श्रीलंकाई रुपये की कीमत ढह गई। उसका परिणाम श्रीलंका के लोगों को भुगतना पड़ा है। उन्होंने राजपक्षे सरकार सरकार के खिलाफ बगावत की और गोटाबया राजपक्षे को राष्ट्रपति पद छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया। लेकिन उसके बाद आई सरकार भी देश को आर्थिक संकट से बाहर निकालने का रास्ता नहीं तलाश पाई है।

केंद्रीय पूल में पर्याप्त अनाज : केंद्र

नई दिल्ली । सरकार ने दावा किया कि उसके पास राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) की आवश्यकता को पूरा करने और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के अतिरिक्त अन्य कल्याण योजनाओं के आवंटन के लिए केंद्रीय पूल में अनाज पर्याप्त है। देश में गेंहू स्टॉक में पिछले छह वर्षो में गिरावट आने की खबरों के बाद सरकार की ओर से यह आधिकारिक आया है।

बयान में बताया गया कि एक जनवरी, 2023 तक लगभग 1.59 करोड़ टन गेहूं उपलब्ध होगा। 12 तारीख तक केंद्रीय पूल में लगभग 1.82 करोड़ टन गेहूं उपलब्ध है। केंद्र सरकार गेहूं के मूल्य परिदृश्य से अच्छी तरह वाकिफ है और अन्य वस्तुओं के साथ-साथ साप्ताहिक आधार पर नियमित रूप से इसकी निगरानी और सुधारात्मक उपाय कर रही हैं। बयान में कहा गया है कि भारत सरकार ने किसी भी मूल्य वृद्धि को रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं और 13 मई से निर्यात नियम लागू किए गए हैं।

केंद्र सरकार ने आरएमएस 2022-23 के लिए पिछले साल के एमएसपी 2015 रुपये-चूंटिल की तुलना में इस साल गेहूं की फसल का एमएसपी बढ़ाकर 2125 रुपये-चूंटिल कर दिया है। इस प्रकार, यह उम्मीद की जाती है कि काफी अच्छी जलवायु परिस्थितियों के कारण एमएसपी में 110 रुपये-चूंटिल की वृद्धि हुयी है। इसके अलावा, अगले सीजन के दौरान गेहूं का उत्पादन और खरीद सामान्य रहेगा। अगले सीजन में गेहूं की खरीद अप्रैल 2023 से शुरू होगी और शुरुआती आकलन के अनुसार पिछले साल की तुलना में गेहूं की फसल की बुवाई में अच्छी बढ़ोतरी हुई है।

बयान में बताया गया कि खुले बाजार में एमएसपी से अधिक कीमतों पर किसानों द्वारा बिक्री के साथ-साथ कम उत्पादन के कारण पिछले सीजन के दौरान गेहूं की खरीद कम थी। फिर भी, गेहूं की अगली फसल आने तक देश की जरूरतों के लिए केंद्रीय पूल में गेहूं का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध रहेगा।

आयकर छूट की सीमा पांच लाख रुपए हो : एसोचैम

नई दिल्ली । उद्योग संगठन एसोचैम ने अगले वित्त वर्ष के आम बजट में आयकर छूट की सीमा को पांच लाख रुपये का सुझाव दिया है।

संगठन के अध्यक्ष सुमित सिन्हा ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में बजट पूर्व दिये गये अपने सुझावों को साझा करते हुये कहा कि इससे करदाताओं के पास व्यय के लिए अधिक धन उपलब्ध होगा जिससे अर्थव्यवस्था में खपत बढाने में मदद मिलेगी और इससे अर्थव्यवस्था को पटरी लाने में भी लाभ होगा। उन्होंने कहा कि अभी बगैर किसी छूट की आयकर की सीता 2.50 लाख रुपये है।

श्री सिन्हा ने कहा कि प्रत्यक्ष कर संग्रह और अप्रत्यक्ष कर संग्रह में आयी तेजी से सरकार को आयकर छूट की सीमा बढ़ाने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही सरकार को ग्रीन हाईड्रोजन के उत्पाद को भी प्रोत्साहित करने की दिशा में काम करना चाहिए क्योंकि भारत को दुनिया का सबसे बड़ा ऊर्जा उत्पादक देश बनने की दिशा में बढना है। इसके साथ ही रोजगार वृद्धि के लिए टिकाऊ और हरित विनिर्माण पर भी जोर देने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि विनिर्माण सुरक्षा से अधिक महत्व आर्थिक सुरक्षा को दिया जाना चाहिए। ग्रीन अर्थव्यवस्था, ऊर्जा स्वतंत्रता, हरित उद्योग में निवेश और जैव ईंधन की खपत को कम करने पर भी जोर होना चाहिए। ये सभी कदम आत्मनिर्भरता के लिए आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि सेवा सहित सभी क्षेत्रों में विनिर्माण के क्षेत्र में होने वाले नये निवेश के लिए कार्पोरेट कर की दर को 15 प्रतिशत निर्धारित किया जाना चाहिए और सतत निवेश को भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीएसटी भुगतान में बिलंव पर लगने वाले 18 प्रतिशत शुल्क को कम कर 12 प्रतिशत किया जाना चाहिए। 18 प्रतिशत ब्याज दर छोटे उद्योग के लिए बहुत अधिक है।

कैथे पैसिफिक दिल्ली, मुंबई से उड़ानें बढ़ाएगी

नई दिल्ली । हांगकांग की एयरलाइन कैथे पैसिफिक ने कहा कि वह जनवरी से मुंबई और दिल्ली से उड़ानों की संख्या बढ़ाएगी और बेंगलुरू-हांगकांग मार्ग पर एयरबस ए350-900 भी पेश करेगी।

कंपनी के एक बयान में कहा गया है कि जनवरी से मुंबई और दिल्ली से उड़ानें बढ़ा कर प्रति सप्ताह क्रमश: पांच और सात की जाएंगी।

कैथे पैसिसफिक के दक्षिण एशिया, मध्य पूर्व और अफ्रीका के विपणन और बिक्री प्रमुख आनंद येदेरी ने कहा, हम बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मुंबई और दिल्ली से उड़ानों की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ बेंगलुरु-हांगकांग मार्ग पर ए350-900 श्रेणी का विमान लगाएगी। यह हमारे बेड़े में सबसे आधुनिक विमानों में से एक है और इसकी बढ़ी हुई ईंधन-दक्षता हमारे स्वस्थ विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

गूगल पर सर्विस सेंटर का नंबर सर्च कर रहे हो तो रहें सावधान! अकाऊंट हो सकता है खाली

नई दिल्ली। जहां एक ओर दुनिया तेजी से ऑनलाइन की ओर जा रही है, वहीं दूसरी तरफ स्कैमर्स भी ताक लगाए बैठे हैं। ऐसे में जरूही है कि आप स्कैम से सावधान रहें। आजकल तो हर रोज कोई न कोई स्कैम सुनने को मिल जाता है। इन स्कैम्स के चलते लोगों से लाखों-करोड़ों का फ्रॉड तक हो रहा है।

अब एक सर्विस सेंटर स्कैम चल रहा है। हालांकि, ये स्कैम नया नहीं है, लेकिन साइबर ठग इसका फायदा उठाकर लोगों को स्कैम का शिकार बना रहे हैं। जैसा की नाम से ही साफ है ये स्कैम सर्विस सेंटर के नाम पर

किया जाता है।

दरअसल आज कल हम कोई भी डिवाइस या प्रोडक्ट खराब होने पर सर्विस सेंटर का नंबर तलाश करते हैं। इसके लिए सबसे आसान तरीका गूगल सर्च का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन स्कैमर्स इसका फायदा उठाते हैं। इसके जाल में फंस कर व्यक्ति के लाखों रुपए बर्बाद हो जाते हैं।

दरअसल यूजर्स प्रोडक्ट की सर्विस सेंटर से मिलती-जुलती वेबसाइट तैयार कर लेते हैं। इसके बाद उसको गूगल पर सीईओ के सहारे टॉप पर रैंक करवा दिया जाता है। यानी वो वेबसाइट गूगल सर्च रिजल्ट में टॉप पर दिखने लगती है।

अब जब कोई गूगल पर इससे मिलता-जुलता टर्म सर्च करता है तो उसको वो वेबसाइट पर टॉप पर दिखती है। ज्यादातर लोग इसकी ऑथेंटिसिटी चेक किए बिना साइट ओपन कर उस पर दिए गए मोबाइल नंबर पर कॉल कर लेते हैं।

ये कॉल स्कैमर को लगता है। इसके बाद स्कैमर मैलवेयर वाले ऐप्स को यूजर के डिवाइस पर इंस्टॉल करवा देते हैं। यूजर सब कुछ सच मानकर सभी जानकारी देते चले जाते हैं और इन जानकारी का फायदा भी स्कैमर्स उठाते हैं।

ऐप में मैलवेयर वाले ऐप होने की वजह से स्कैमर को यूजर की नेटबैकिंग और दूसरी जरूरी डिटेल्स मिल जाती है। इसका फायदा उठाकर यूजर के बैंक अकाउंट में सेंध लगाने की कोशिश स्कैमर्स करते हैं और बैंक अकाउंट खाली कर देते हैं।

फेड के ब्याज दर में और बढ़ोतरी के संकेत से डरा शेयर बाजार

मुंबई । अमेरिकी फेड रिजर्व के अगले साल ब्याज दरों में और अधिक बढ़ोतरी करने के संकेत से वैश्विक बाजार में आई गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से आज शेयर बाजार में कोहराम मच गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 878.88 अंक यानी 1.40 प्रतिशत का गोता लगाकर तीन सप्ताह बाद 62 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 61799.03 अंक तक उतर गया। इससे पूर्व 24 नवंबर को यह 62 हजार अंक के पार पहुंचा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 245.40 अर्थात 1.32 प्रतिशत की गिरावट लेकर 18414.90 अंक रह गया।

दिग्गज कंपनियों की तरह बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों पर भी बिक्रवाली हावी रही। इससे मिडकैप 1.05 प्रतिशत लुढ़क़कर 26,115.55 अंक और स्मॉलकैप 0.61 प्रतिशत की गिरावट लेकर 29,802.29 अंक पर आ गया। इस दौरान बीएसई में कुल 3680 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1405 में लिवाली जबकि 2152 में बिकलावी हुई वहीं 123 कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 45 कंपनियों में गिरावट जबकि शेष पांच में तेजी रही।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने बुधवार को कहा कि महंगाई को नियंत्रित रखने के लिए केंद्रीय बैंक अगले साल ब्याज दरों में और अधिक बढ़ोतरी करेगा, भले ही अर्थव्यवस्था मंदी की ओर फिसल जाए। इससे वैश्विक बाजार में जमकर बिकवाली हुई, जिससे ब्रिटेन का एफटीएसई 0.69, जर्मनी का डैक्स 1.30, जापान का निक्केई 0.37, हांगकांग का हैंगसेंग 1.55 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.25 प्रतिशत लुढ़क़ गया।

अंतर्राष्ट्रीय रुख का घरेलू बाजार पर भी असर पड़ा। इससे बीएसई के सभी 19 समूह बिकवाली का शिकार हो गए। इस दौरान सीडी 0.86, एफएमसीजी 0.95, वित्तीय सेवाएं 1.19, इंडस्ट्रियल्स 1.13, आईटी 2.06, दूरसंचार 0.84, ऑटो 0.69, बैंकिंग 1.18, कैपिटल गुड्स 1.16, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.37, धातु 1.82, पावर 0.61, रियल्टी 1.25 और टेक समूह के शेयर 1.92 प्रतिशत लुढ़क़ गए।

विवेक अग्निहोत्री ने शुरू की फिल्म द वैक्सीन वॉर की शूटिंग

इस साल अपनी द कश्मीर फाइल्स के साथ भारी सफलता का स्वाद चखने वाले निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने लखनऊ में अपनी अगली परियोजना द वैक्सीन वॉर की शूटिंग शुरू कर दी है। निर्देशक ने अपने फॉलोअर्स के साथ अपडेट साझा करने के लिए अपने सोशल मीडिया का सहारा लिया।

उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म के स्क्रिप्ट की एक तस्वीर को शेयर कर कैप्शन दिया, गुड मार्निंग, हम नई चीजों के लिए जीते हैं। नई खुशी। कुछ दिन पहले विवेक ने फिल्म के रिसर्च वर्क की एक झलक शेयर की थी। द वैक्सीन वॉर कोविड-19 महामारी के अनिश्चित समय के दौरान चिकित्सा बिरादरी और वैज्ञानिकों के अंतहीन समर्थन को देखते हुए बनाई गई है।

निर्देशक ने पहले साझा किया है कि इस विषय पर शोध करने और दर्शकों के सामने सही तथ्य पेश करने में लगभग एक साल लग गया। फिल्म की कहानी 3200 पन्नों में लिखी गई है और 82 लोगों ने दिन-रात कहानी पर काम किया। कुशल अनुसंधान करने के लिए, टीम ने वास्तविक वैज्ञानिक और टीका विकसित करने वाले लोगों से मुलाकात की।

पल्लवी जोशी द्वारा निर्मित यह फिल्म 15 अगस्त, 2023 को हिंदी, अंग्रेजी, तेलुगू, तमिल, मलयालम, कन्नड़, भोजपुरी, पंजाबी, गुजराती, मराठी और बंगाली सहित 10 से अधिक भाषाओं में रिलीज होने के लिए तैयार है।

अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी ने जिम ट्रेनर शाहनवाज शेख से रचाई शादी

साथ निभाना साथिया फेम अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी ने जिम ट्रेनर और बॉयफ्रेंड शाहनवाज शेख के साथ शादी रचा ली है। उन्होंने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर करते हुए शादी की खुशखबरी दी है। उन्होंने एक निजी समारोह में मुंबई में सात फेरे लिए हैं। शादी के बाद वह एक रिसेप्शन आयोजित कर सकती हैं। इसमें उनके करीबी लोगों और दोस्तों को आमंत्रित किया जाएगा। फैंस सोशल मीडिया पर देवोलीना को शुभकामनाएं दे रहे हैं।

देवोलीना ने तस्वीरें शेयर करते हुए अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, मैं गर्व के साथ कह सकती हूं कि मैं शोनू की हो गई हूं। चिराग लेकर भी ढूढ़ती तो तुझ जैसा नहीं मिलता। तुम मेरे सभी दर्द और प्रार्थनाओं का जवाब हो। आई लव यू शोनू।

फीफा वर्ल्ड कप 2022

खिताबी मुकाबले में मेसी और एमबापे होंगे आमने सामने

नईदिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप का खुमार लोगों पर पिछले एक महीने से छाया हुआ है, और लोग लगतार मैच देख रहे है। लेकिन अब फीफा वर्ल्ड कप अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया है और उसकों उसकी दो फाइनल टीमें मिल गई जो इस खिताब के लिए 18 दिसंबर को आमने सामने होंगी। जी हां ये दोनों टीमें है अर्जेंटीना और फ्रांस। इन दोनों टीमों को ही फाइनल खेलना है।

अब बात करले इन दोनों टीमों के स्टार खिलाडियों के बारे में तो इनमें अर्जेंटीना के लियोनल मेसी है जो अपने अनुभव से लबरेज है और ये उनके लिए ये आखिरी वर्ल्ड कप हो सकता है ऐसे में वो चाहते है की इस बार उनकी टीम इस कप को जीते।

वही बात करले फ्रांस की तो फ्रांस तो वैसे ही पिछले बार का वर्ल्ड चैपिंयन है और उसके पास ऐसा खिलाड़ी है जो रफ्तार को मात देता है, और उसका नाम है एमबापे। एमबापे रफ्तार के मामले में बहुत तेज है और वो अपनी टीम के स्टार खिलाड़ी है। ऐसे में खिताबी मुकाबले में मेसी और एमबापे के बीच रोचक भिड़ंत देखने को मिलेगी।

आज का राशिफल

मेष : आज मन खुश रहेगा व भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति या कुछ सीखने के आसार हैं लेकिन आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। स्वास्थ्य सुधार होगा।

वृष : आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा। स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है। धर्म-कर्म के प्रति विचार सकारात्मक रहेंगे।

मिथुन : आज आपका दिन सामान्य रहेगा। अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। सामाजिक दायरा बढेगा। घर में कोई काम या सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा।

कर्क : आज आपका दिन सामान्य रहेगा। विरोधी की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं रहेगा। संयम से विरोधी परास्त होंगे। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म-कर्म में आस्था बढ़ेगी।

सिंह : आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात-निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा।

कन्या : आज के दिन आपको सुख-समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है।

तुला : आज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं।

वृश्चिक : आज आपका दिन अनमना सा रह सकता है। आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं। आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी।

धनु : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

मकर : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ : आज आप निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र रहेंगे। आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है।

मीन : आज आप परिश्रम करने में विश्वास रखेंगे। भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे।

घर में बनाएं मार्केट जैसा 'वेज तंदूरी मोमोज़'

अगर आप भी मोमोज़ के शौकीन हैं और घर में मार्केट जैसा वेज तंदूरी मोमोज़ बनाना चाहते हैं, तो फॉलो करें ये रेसिपी। हर कोई करेगा आपकी तारीफ।

सामग्री :

250 ग्राम मैदा, 20 मिली तेल, स्वादानुसार नमक व पानी

भरावन के लिए सामग्री- 20 मिली कुकिंग ऑयल, 10 ग्राम लहसुन बारीक कटा, 10 ग्राम अदरक बारीक कटा, 20 ग्राम प्याज बारीक कटा, 5 ग्राम हरी मिर्च, 50 ग्राम गाजर कसी हुई, 100 ग्राम पत्तागोभी कसी हुई, 5 ग्राम काली मिर्च कुटी हुई और स्वादानुसार नमक

तंदूरी मेरिनेशन के लिए सामग्री- 200 ग्राम कपड़े से छना दही, 10 ग्राम अदरक-लहुसन का पेस्ट, 5 ग्राम हल्दी पाउडर, 5 ग्राम कश्मीरी लाल मिर्च, 5 ग्राम गरम मसाला, 5 ग्राम कसूरी मेथी, कुछ बूंदे नींबू का रस, 20 ग्राम सरसों का तेल, स्वादानुसार नमक

अन्य सामग्री- मिली कुकिंग ऑयल, टुकड़े जलते हुए कोयले, ग्राम देसी घी, ग्राम चाट मसाला, ग्राम हरा धनिया बारीक कटा

विधि :

- एक बर्तन में मैदा और नमक मिलाएं और पानी डालकर मैदे को मुलायम होने तक गूंथकर 30 मिनट तक रखें। पैन में तेल गरम करें इसमें लहसुन, अदरक, हरी मिर्च मिलाएं। प्याज डालकर तेज आंच में सॉते करें। गाजर और पत्तागोभी मिलाएं। तेज आंच पर भूनें। नमक, काली मिर्च, हरा धनिया डालें और आंच से उतार कर ठंडा करें। इसमें छना दही मिक्स करें। मैदे से छोटे-छोटे पेड़े तैयार करें और बेल लें। इसमें तैयार भरावन भरें और मनचाहा आकार दें। तैयार मोमो को 10 मिनट स्टीम करें। पैन में तेल गरम करें। इसमें मोमो ब्राउन होने तक तल लें। अब पैन में बीच में जलता हुआ कोयला डालें। कोयले पर देसी घी डालें और जल्दी से ढक्कन बंद कर दें। स्मोकी फ्लेवर वाले इस मोमो पर चाट मसाला बुरकें और हरी चटनी के साथ सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 283

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

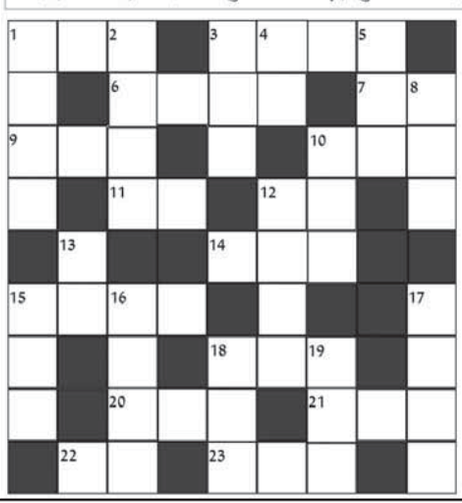

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 282 का हल

ज	ल	■	आ	वा	जा	ही	■	■
मा	■	खू	ब	■	दू	र	स्थ	■
ना	दा	न	■	सा	ग	■	ल	क्ष्य
■	न	ख	■	त	र	ल	■	■
■	वी	रा	न	■	■	च	ट	क
■	र	ब	■	आ	ज	क	ल	■
■	■	■	आ	ग	■	दा	ना	■
■	अ	ग	र	म	ग	र	■	क्रो
भा	भी	■	ती	न	■	■	व	ध

सू-दोकू- 283

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.282 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6